राज
कॉमिक्स
विशेषांक
संख्या 54
जहर
नागराज
नागराज का
रोमांचक विशेषांक
amaan.cooldude18

अपने सपनों में लगातार दिखने वाले एक रहस्यमय नागमंदिर से बेचैन होकर नागराज उसे ढूंढने निकल पड़ा। और जा टकराया अपने जानी दुश्मनों, सुपर विलेन की टोली से! पर न तो जादूगर शाकूरा की जादुई शक्तियां उसे हटा पाईं और न ही मिस किलर की वैज्ञानिक शक्तियां। पर एक रहस्यमय व्यक्ति नागपाशा के इशारे पर काम कर रहे सुपर विलेनों ने हार नहीं मानी। नागदंत, नागराज को मारने निकल पड़ा। उसने सर्परूप में नागराज के शरीर में प्रवेश करके, नागराज की सर्प-सेना को सम्मोहन जाल में फंसा लिया। और नागराज को उसी के नागों के ढेर पर, उसी के नागों की रस्सी से फांसी पर लटका दिया...

दूसरे ही पल रिल के 'भाग' की तरह बैठता चला गया—
... नागराज के शरीर से उसे निकलता देखकर, जिसका नाम वह अच्छी तरह से जानता था—
सौडांगी! उफ्!
कटोरियों से बाहर निकलने की हद तक चौड़ी होती चली गईं उसकी आंखें...
हां दुष्ट, सौडांगी ही हूं मैं। नागराज के शरीर के अन्दर तुमसे लड़ते हुए अच्छा ही हुआ कि मैं बेहोश हो गई थी। अगर ऐसा ना होता तो मुझे भी नागराज की नागशक्तियों के साथ बाहर निकलना पड़ता...
... और तब मैं भी अन्य नाग-शक्तियों की तरह तेरे सम्मोहन में फंसकर नागराज को बचाने के नहीं उसे मौत देने के बारे में सोच रही होती... वैसे मुझे होश देर में आया, लेकिन अभी भी कुछ नहीं बिगड़ा है...
... अभी भी मैं तुम जैसे दुष्ट से नागराज को बचा सकती हूं।
सांय
बेवकूफ नागिन, नागराज को बचाने की सोच रही है...
... खुद बचने के बारे में नहीं सोच रही।
फूऊऊऊ
जवाब में सौडांगी ने भी छोड़ा विष का तूफान—
सौडांगी आज तेरे हर वार का भरपूर जवाब देगी।
ईस्स

तभी नागराज की कराह गूंजी—
आह?
ओह! नागराज को फांसी लग गई। अब वह ज्यादा देर अपने-आपको जीवित नहीं रख पाएगा। मुझे उसे बचाना चाहिए। आहह्ह्ऽऽऽ
... पीछे हट!
धाड़.
सड़ाक से दीवार से टकराई सौडांगी...
...एकदम से संभली, लेकिन उसका संभलना बेकार गया—
आहह! नागदंत अपने वारों के कारण मुझे नागराज तक पहुंचने ही नहीं दे रहा है, और उधर नागराज की मौत उसके करीब आती जा रही है। उसके पास पहुंचे बिना मैं उसे कैसे बचाऊं?
अचानक—
नागराज को बचाने के लिए उसके पास जाने की क्या जरूरत है। उसे तो यहीं खड़े-खड़े ही बचाया जा सकता है। और उसके लिए...
FAN
LIGHT
... मुझे मात्र यह बटन दबाना होगा!
FAN
LIGHT
टक
सौडांगी का स्विच दबाना था कि...
नागराज की तरफ अपने कदम कहां बढ़ा रही है नाग सुन्दरी?...
amaan.cooldude18

राज कॉमिक्स
... सर्ररर से घूमा वह हाई स्पीड सिलिंग फैन, नागराज जिससे फांसी पर लटका हुआ था–
सर्ररर
खचाक
खचाक
दूसरे ही पल परिणाम नागराज की विजय के रूप में सामने था–
इसी के साथ सौडांगी पर नागदंत के क्रोध का कहर टूटा–
धाड़
आऽऽह!
सौडांगी के कंठ से निकली असदर्द भरी चीख ने...
... मानो नागराज के जिस्म में नई स्फूर्ति भर दी–
तड़ाक
अब तेरे सारे हिसाब चुकता होंगे!
नागराज के इस दूसरे वार के साथ ही...
... नागदंत ने पासा पलट दिया–
इतना बढ़-चढ़ कर मत बोल नागराज, क्योंकि मेरे सामने तेरी हैसियत किसी 'मच्छर' से ज्यादा कुछ नहीं।
धाड़
4
amaan.cooldude18

... और तुम जैसे मच्छरों को कैसे मसला जाता है, ये नागदंत खूब जानता है!
ऐसे... ऐसे मसलूंगा मैं तुझे! शायद तेरी किस्मत में मेरे हाथों मरना लिखा है।
शाबाश नागराज! अपनी पूरी शक्ति इस्तेमाल कर। देखें तू नागदंत के फौलादी शिकंजे से छूट पाने में सफल हो जाता है या नहीं!
आहह... इस समय मेरे मुकाबले नागदंत के शरीर में दुगुनी शक्ति भरी हुई है। मैं इसकी पकड़ से अपने आपको नहीं छुड़ा सकता। आहह!
नागराज की सांसें रुकने लगीं। उसकी आंखें उबलने लगीं, लेकिन... लेकिन उसका मस्तिष्क अभी भी सक्रिय था—
अब तो नागदंत से बचने का सिर्फ एक ही उपाय है कि मेरी सर्प शक्तियां वापस मेरे शरीर में प्रवेश कर जाएं, लेकिन ऐसा होगा कैसे? वे सभी तो नागदंत के सम्मोहन में बंधी हैं, उन्हें सम्मोहन से बाहर लाया जाए तभी कुछ हो सकता है!
... उसी तरह जैसे सौडांगी ने मुझे फांसी से बचाया था!
मुझे तुरंत ही सौडांगी से मानसिक संपर्क बनाना होगा!
कुछ पल बाद ही—
अंय! ये क्या हो रहा है? नागराज की शक्तियां वापस उसके शरीर में कैसे प्रवेश करती जा रही हैं? ये तो मेरे सम्मोहन में थीं... इनका सम्मोहन कैसे टूटा?
ऐसे...

... बिजली के करंट के तेज झटके से। यह झटका इन्हें तेरे सम्मोहन से आजाद कर रहा है।
... और ये अड़ड़िया नागराज ने मुझसे मानसिक संपर्क बना कर मुझे दिया है।
न... नागराज तुमने ?
हां भई, मैंने! लेकिन अब मेरा गला छोड़कर मेरे ऊपर से तो हट! कब तक इसी तरह छाती पर सवार रहेगा!
फुंफकारता हुआ संभला नागदंत –
नागदंत तुझे छोड़ेगा नहीं नागराज! ओह!
धाड़
अब अपनी नागशक्ति का इस्तेमाल किस पर कर रहा है पागल! देखता नहीं अब नागराज पूरी तरह शक्ति-शाली हो गया है...
... तेरा दिमाग ठीक होगा, तभी तू इस बात को समझेगा!
तड़ाक
नां... नां... नां... अब मैं तुझे नहीं संभलने दूंगा नागदंत, क्योंकि मैं जानता हूं कि तुम्हें संभलने का मौका देने का मतलब खतरनाक है!

नागराज ने नागदंत को विवश कर देने में ज्यादा देर नहीं लगाई–
बस नागदंत, तेरा खेल अब खत्म हुआ। लेकिन चिन्ता मत कर, मैं तेरी तरह निष्ठुर नहीं हूं। मैं तुझे मारूंगा नहीं बल्कि तुझे ऐसी ज़िंदगी दूंगा जो कम से कम तेरे लिए मौत से बढ़कर होगी।
और इसके लिए मैं एक बार फिर अपनी सर्पशक्तियों को अपने शरीर से निकाल कर तेरे शरीर में प्रवेश करवा रहा हूं...
?
नागदंत के शरीर में प्रवेश कर गईं नागराज की नागशक्तियां...
...जब उसके शरीर से बाहर आईं तो वे अकेली ना थीं, नागदंत की सर्पशक्तियां भी उनके साथ थीं–
शाबाश! खींच लाओ सभी की दुमों को पकड़-कर बाहर। एक भी नागशक्ति इसके शरीर में नहीं रहनी चाहिए!
कुछ पल बाद ही–
आह!
तेरी सभी नागशक्तियां तेरे शरीर से बाहर आ चुकी हैं नागदंत, इनके बिना तू एकदम पंगु है और हां, तू अपनी इच्छाशक्ति और विष फुंफकार का इस्तेमाल ना कर सके इसका भी इंत-जाम मैं किए देता हूं!
नागश्री नामक अपना जो सेवक मैंने तेरे शरीर में प्रवेश करवा दिया है ये सदा तेरे मस्तिष्क पर अपना कब्जा जमाए रहेगा। इसके होते अगर तूने इच्छाधारी शक्ति, विष फुंफकार छोड़ने या कोई भी गलत काम करने की सोची तो नागश्री तेरे मस्तिष्क को तरबूज की तरह फोड़कर बाहर आ जाएगा। तू अब साधारण मनुष्य बनकर रह गया है नागदंत...

...और ये जिंदगी तेरे लिए मौत से बढ़कर है। आओ चलें सौडांगी!
...मुझे मौत दे दो नागराज! मुझे मौत दे दो!
उफ़! कितना बेबस बनाकर छोड़ दिया है नागराज ने नागदंत को!
रुक जाओ! मुझे यह जीवन नहीं चाहिए नागराज! मुझे मौत दे दो...
अब एक बार फिर लक व्हील घुमाना होगा!
भारी मन से नागपाशा ने लक व्हील घुमा दिया—
और जब लक व्हील रुका तो अनायास ही नागपाशा के कंठ से ठहाका उबल पड़ा—
हा हा हा! नागमणि। प्रोफेसर नागमणि मारेगा उस नागराज को! शाकूरा, मिस किलर और नागदंत जैसी हस्तियां जिसका बाल भी बांका नहीं कर सकीं। हा हा हा!
एक झटके से अपने स्थान से उठ खड़ा हुआ प्रोफेसर नागमणि गरजा—
मुझ पर इस तरह हंसकर तुम मेरा अपमान कर रहे हो नागपाशा! ये तुम्हारी भूल है कि जिस काम को शाकूरा, मिस किलर और नागदंत नहीं कर सके, उसे नागमणि नहीं कर सकता।
सच्चाई यह है कि जो और नहीं कर पाए उसे सिर्फ और सिर्फ नागमणि ही कर सकता है।

••• सिर्फ मैं ही नागराज को चुटकियों में मौत दे सकता हूं क्योंकि मैंने नागराज को बनाया है इसलिए मैं ही जानता हूं कि उसे कैसे खत्म किया जा सकता है!

जरा हम भी तो सुनें कि आप ऐसा कैसे कर पाएंगे?

जहर को जहर ही मारता है। ठीक इसी सिद्धान्त पर अमल करके मैंने वर्षों की मेहनत से विश्व के चार सर्वाधिक तेज जहरों पर शोध करके यह निष्कर्ष निकाला है कि अगर ये चारों जहर नागराज के शरीर में मिल जाएं तो नागराज किसी भी हालत में नहीं बच सकता। अपने उसी शोध पर अमल करते हुए मैंने चार ऐसे शख्सों को चुना है जो उन जहरों को नागराज के शरीर में पहुंचाएंगे•••

••• तो सभी एक ही स्वर में कह उठे—

कौन है चौथा?

यह रहस्य है और मैं अभी इसे रहस्य ही बना रहने देना चाहता हूं•••

••• जल्द ही आप सबके साथ-साथ सारी दुनिया को पता चल जाएगा कि वह चौथा कौन है? लेकिन ये बात पक्की है कि विश्व के सबसे अधिक जहरीले इंसान नागराज को मारेगा•••

ऊपर लि... के विषय में जानना चाहते हो तो खरीद लाइये 'शाकूरा का चक्र...

लद्दाख के इस लेह नामक शहर में अपनी खोज शुरू करने से पहले मुझे यहां ठहरने और आराम करने का प्रबंध करना होगा और उसके लिए एकदम ठीक रहेगा...
...लेह टूरिज्म बैंग्लो—
लेह में ठहरने के लिए इस बैंग्लो से सुन्दर जगह और कोई नहीं...
...सब कुछ है यहां। बढ़िया रेस्टोरेन्ट, गार्डन...
...और स्विमिंग पूल भी! यहां तो कुछ देर स्विमिंग करके सफर की थकान आसानी से मिटाई जा सकती है।
कुछ ही देर बाद—
छपाक
स्विमिंग पूल में कूद गया नागराज—
इसी के साथ कोहिनूर हीरे की मानिन्द किसी की आंखें चमक उठी थीं—
शायद तेरी मौत इसी पानी में लिखी है नागराज क्योंकि मास्सा-लोगा को भी अपना शिकार पानी में ही करने में ज्यादा आनन्द आता है!

स्विमिंग पूल में—
सासासोगा के जहर से तू नहीं बच सकेगा नागराज!
अरे! ये क्या?
... वहीं स्विमिंग पूल में मौजूद अन्य स्त्री-पुरुष भाग खड़े हुए—
ये मुसीबत कहां से आ गई स्विमिंग पूल में।
बाद में सोचना! पहले तेजी से तैरकर यहां से बाहर निकल!
उस अनोखे प्राणी को जहां नागराज सकते की हालत सा देखता रह गया...
इधर-
इसका नाम तो उस नाग से मिलता है जो नार्थ अमेरिका में पाया जाता है। लेकिन मेरा यह दुश्मन यहां लेह में कहां से पैदा हो...
...गया!
उफ्! मैंने सोचा भी नहीं था कि ये फुर्ती के मामले में छलावे को भी मात कर देगा!
धाड़.
अब नागराज के संभलने से पहले ही सासासोगा ने दबोच लिया और...
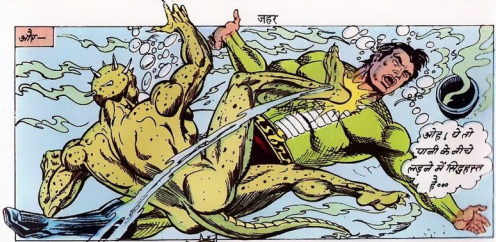
और—
ओह! ये तो पानी के नीचे लड़ने में सिद्धहस्त है...
...और साथ ही पानी के नीचे एक और दिक्कत मुझे हो रही है जो इसे नहीं हो रही, वह यह कि ऑक्सीजन ना मिल पाने के कारण मेरी सांस घुटती जा रही है...
...अपने आपको इससे बचा- कर मुझे जल्द ही ऊपर जाना होगा...
...और इसके लिए यह मोटा पाइप एकदम ठीक रहेगा, जिससे स्विमिंग पूल में पानी भरा जाता है।
और इस पाइप का इस ढंग से भी उपयोग हो सकता है, ये कोई मेरे जैसा मुसीबत का मारा ही सोच सकता है!
धड़प
सासासोगा की वॉटर पाइप में गर्दन फंसाकर...
...नागराज ने ऊपर की तरफ लहराने में एक पल भी ना गंवाया—
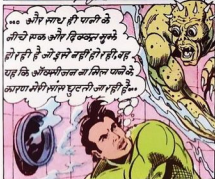
ओफ्फ! कुछ देर के लिए तो लगा था कि मेरी जल समाधि बने ही बने!
वह तो अब भी बनेगी नागराज!
ओह!
एक बार फिर मात्सागोगा से भिड़ जाना पड़ा नागराज को—
समझ में नहीं आता कि ये चाहता क्या है और किसने भेजा है इसे?
तड़ाक
बला की तेजी से संभला मात्सागोगा—
अपना उद्‌देश्य पूरा करने के लिए तुझे इस हालत में पहुंचाना जरूरी है कि तू अपने हाथ-पांव न हिला सके!
उसी पल—मात्सागोगा ने अपने दांत गड़ा दिए नागराज के जिस्म में—
हा हा हा... नागराज मैंने तुझे काटकर तेरे जिस्म में तेज जहर भर दिया है। अब तू ज्यादा देर तक जिन्दा नहीं रह पाएगा।
वह मात्सागोगा की फुर्ती का ही कमाल था कि नागराज संभलने से पहले ही मात्सागोसा की पूंछ के शिकंजे में फंस गया—
मात्सागोगा के आगे के शब्द चीख में बदल गए—

... जिसका कारण ये था–
मोम की तरह पिघलकर उसका शरीर पानी में मिलने लगा–
ऐसा तो होना ही था नागराज के जिस्म में अपने दांत गड़ाने की भयंकर भूल जो कर बैठा था वो–
जिसकी नसों में लहू के स्थान पर जहर दौड़ रहा हो, कोई भी जहर उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकता। काश, इस बात को ये जानता तो इसका ये हाल कभी ना होता...
... और इसका ये हाल ना होता तो मैं इससे ये उगलवा ही लेता कि उसे किसने तैयार किया था और मुझे मारने के पीछे उसका मकसद क्या था?

वैसे मासामोगा के हमले से एक बात तो स्पष्ट हो जाती है कि मेरा दुश्मन जो भी है वह मुझसे पहले ही लद्दाख आ पहुंचा है। इसलिए मुझे अत्याधिक सावधानी से रहना होगा...
फिर नागराज एक जीप किराए पर लेकर पहुंचा लेह स्थित टूरिज्म ऑफिस में–
आपने जो लोकेशन बताई है ऐसे किसी मन्दिर के बारे में टूरिज्म विभाग को कोई जानकारी नहीं है। इस विषय में मैं आपकी कोई मदद नहीं कर सकता!
हां! मैं आपको एक ऐसे आदमी के बारे में बता सकता हूं जो इस विषय में आपके लिए बहुत कुछ कर सकता है। क्योंकि वह आदमी लेह लद्दाख के जर्रे-जर्रे से परिचित है।

LEH TOURISM
INFO ATION COUNTER

वह यहां से आठ किलोमीटर दूर स्थित स्पाइटोक के गोरवांग नामक बौद्ध मंदिर में रहने वाला भिक्षुक लामा आनन्द है। लद्दाख के बारे में उससे ज्यादा कोई नहीं जानता। तुम उससे क्यों नहीं मिलते?
थैंक्यू। मैं अभी उनसे जाकर मिलता हूं।

टूरिज्म ऑफिस से बाहर निकला नागराज उन जलती निगाहों को न देख सका जो उसी पर टिकी थीं—
तू स्पाइटोक जरूर पहुंचेगा नागराज, मगर उस खतरे से दो-चार होकर जो रास्ते में बड़ी बेसब्री से तेरा इंतजार करता मिलेगा।
जीप पर सवार होकर नागराज स्पाइटोक की तरफ चल दिया—
इन रास्तों पर अगर चालक की निगाहें जरा सा भी चूक जाएं तो सीधा मौत के मुंह में चला जाए।
वैसे मंजिल मिले या ना मिले, लेकिन लद्दाख तक का यह सफर रोमांचक रहेगा!
... सामने खड़े उस खतरे से बेखबर था—
मेरी तरफ बढ़ती उस जीप में मौजूद है मेरा शिकार... जिसके सामने मुझे पहुंचना है। लेकिन अभी नहीं, अभी मेरे स्टार्ट होने में देर है।
अपनी मंजिल के बारे में सोचता उसकी तरफ बढ़ता नागराज...
मुझे तो यह काम तब करना है जब वह एकदम मेरे पास आ जाए।
और फिर कुछ देर बाद ही—
ओह! ये स्कायर बीच में कहां से आ गया?

बुरी तरह हड़बड़ा उठे नागराज ने बड़ी मुश्किल से जीप को खाई में गिरने से बचाया
उफ़! बाल-बाल बचा... वरना हजारों फुट गहरी खाई में गिरकर हड्डियों तक का पता नहीं चलता!
आह!
तड़ाक
तेरी हड्डियों का पता अब भी नहीं चलेगा नागराज, क्योंकि...
...करैत अपने जहर से उन्हें गलाकर रख देगा!
भड़ाक
ओह! करैत जहरीले तो होते ही हैं, किंतु दिन में सुस्त रहने के कारण इनकी प्रवृत्ति किसी पर आक्रमण करने की नहीं होती है। फिर करैत नाम का यह सर्पमानव ऐसा क्यों कर रहा है? जरूर इसके पीछे कोई राज है?
मासासोगा की तरह ही एक और जहरीले प्राणी का मुझ पर हमला! मगर क्यों?

तुरन्त ही नागराज को मिला उसके सवालों का जवाब —
अपने शरीर में दौड़ते सैकड़ों करैत सर्पों का जहर मुझे तेरे जिस्म में भरना है नागराज!
ओह! तो ये इरादे हैं तेरे। लेकिन इन्हें त्याग दे तो अच्छा है। क्योंकि अगर तूने मुझे काट लिया तो तेरी खैर नहीं। पलभर में पिघल जाएगा तू!
मुझे अपने अंजाम की चिन्ता नहीं है नागराज! बस, मुझे तो अपने मालिक के कहे को हर हाल में पूरा करना है।
कमाल है। अपने मालिक के चक्कर में ये अपनी जान देने पर तुला हुआ है। लेकिन मैं ऐसा नहीं होने देना चाहता कि ये बेमौत मारा जाए। और दूसरा मैं यह भी जानना चाहता हूं कि इसका मालिक कौन है, और वह मुझे करैत से क्यों कटवाना चाहता है?
मैं इसे सर्प-शक्ति से विवश करता हूं।
नागराज की सर्प-शक्तियों को...
...करैत ने अपने पास पहुंचने से रोका —
करैत के जहर के आगे तुम्हारे ये साधारण नाग अपने होश कायम नहीं रख सकते नागराज!
फूऊ
नागराज! मान जा मेरी बात, कर लेने दे मुझे अपनी इच्छा पूरी। आहह!
नहीं करैत! नागराज की इच्छा के विरुद्ध तू उसके शरीर को नहीं छू सकता!
धाड़
तो ठीक है नागराज, मैं तुझे बेबस करके ही अपना काम करूंगा!
धाड़

...और तुझे बेबस करने के लिए यह बर्फ का छोटा टीला खूब काम आएगा!
नागराज पर आ गिरे उस बर्फ के टीले ने...
धमम
...नागराज को सचमुच बेबस कर डाला—
अब—
अब मैं अपने जिस्म में भरे तेज जहर, का एक-एक कतरा तुम्हारे जिस्म में पहुंचाऊंगा नागराज! हा हा हा...
नहीं करैत! रुक जाओ!
मुझे काटकर तुम अपनी मौत बुला लोगे!
रुक जाओ करैत! रुक जाओ!
करैत को ना रुकना था...
हिस्स
...सो ना रुका—
ओह!
उसके दांत नागराज के मांस में गहराई तक पैवस्त होते चले गए—

जिसका परिणाम दूसरे ही पल सामने आया—
ईआगह
मुझे इसकी मौत के साथ-साथ इस बात का भी दुःख है कि मैं इसके उस मालिक के बारे में नहीं जान पाया, जिसने इस विलक्षण विषपुरुष को बनाया और ना जाने क्यों मुझे काटने भेजा?
करैत के जिस मालिक के बारे में सोच रहा था नागराज०००
०००वह उससे ज्यादा दूर ना था—
तुम्हें मौत देने की मेरी योजना के दो चरण पूरे हो गए हैं नागराज। बाकी बचे दो चरण वे भी पूरे हो जाएंगे।
और जब तक मेरी योजना के चरणों के पूरे होने के साथ तुम्हें मौत नहीं मिल जाती तब तक मैं अपने इस विशेष बेआवाज हैलीकॉप्टर पर साए की तरह तेरे पीछे लगा रहूंगा००० नहीं! फिलहाल मुझे तेरे पीछे नहीं लगे रहना नागराज! अभी तो मुझे तुमसे आगे निकलना है ताकि०००

... मैं अपनी योजना के तीसरे चरण को पूरा कर सकूं!
नागराज स्पाइटोक के बौद्ध मंदिर में पहुंचा—
जल्द ही—
तो तुम अपने सपनों के मंदिर के विषय में जानना चाहते हो, नागराज! ठीक है मैं तुम्हें उसके बारे में बता दूंगा, लेकिन पहले तुम्हें मुझे एक मौका देना होगा...
... ताकि मैं ब्लैक मांबा अपने जहर को तुम्हारी नसों में भर सकूं!
ये... ये आप क्या कह रहे हैं अरान्नू जी?
यहीं मिलेंगे मुझे अरान्नू नामक वे भिक्षुक, जो मेरी समस्या का समाधान करेंगे!
बेवकूफ नागराज, मैं अरान्नू नहीं, मांबा हूं। मांबा अफ्रीका का सबसे जहरीला सांप! अरान्नू को तो मैंने अपने जहर के बल पर कभी का दूसरी दुनिया में पहुंचा दिया!
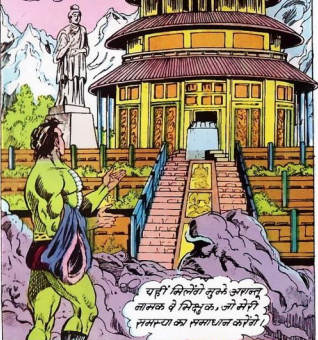
और अब इस जहर से मरने की तेरी बारी है नागराज!
ओह! मासासोगा, करैत के बाद अब ये तीसरा, और ये भी उन दोनों की तरह जहरीला इंसान। इसका मतलब मुझे खत्म करने का जाल बेहद मजबूती से बुना गया है।
लेकिन किसने... किसने बुना है ये जाल? कौन है वो?
इसके बारे में बाद में सोचूंगा। पहले इसे विष-फुंफकार से बेहोश करता हूं।
फूऊऊ
नागराज ने छोड़ी वह घातक विष फुंफकार —
लेकिन-
जिसने मां के दूध की जगह जहर पिया है, उस पर तेरी फुंफकार क्या असर करेगी!

समझे नागराज!
धड़ाक
नागराज संभला और उसके हाथ से छूटी नागरस्सी पास ही पड़े एक पत्थर से लिपट गई–
और फिर–
आह!
ताड़
भड़ाक
सांबा ने उस पत्थर को ज्यादा देर तक नागराज के हाथ में नहीं रहने दिया–
बस, बहुत हुआ नागराज!

अब देख, ये पत्थर क्या कमाल दिखाता है!
कड़ाक
असाधारण फुर्ती का प्रदर्शन करते हुए नागराज पत्थर से तो बच गया...
... लेकिन पत्थर के टकराने की वजह से टूटी सैकड़ों वर्ष पुरानी जीर्ण-शीर्ण मूर्ति के मलबे से ना बच सका–
धड़ाड़
एक साथ सिर पर आ गिरे मूर्ति के कई पत्थरों ने नागराज के दिमाग को चकरा दिया–
और ये स्थिति सिर्फ एक पल के लिए रही–
लेकिन जिन्हें कुछ करना होता है, उनके लिए एक पल भी बहुत होता है–
ओह!
खच्च
मांबा अपने उद्देश्य में सफल हो चुका था–
लेकिन उसके लिए उसे भारी कीमत चुकानी पड़ी–
ईयाऽऽह
मांबा की चीख के साथ-साथ...

••• एक और चीख ने वहां के वातावरण के सीने को भेद डाला था—
और वो चीख निकली थी नागराज के कंठ से—
आ
ह्ssssहहह
पीड़ा से दोहरा होकर चीखता नागराज•••
••• पलभर बाद ही बुत सा बना खड़ा रह गया—
ये••• ये क्या हो रहा है? मेरा सारा शरीर सुन्न पड़ता जा रहा है। म••• मैं अपने हाथ-पांव नहीं हिला पा रहा हूं। उफ़! इस स्थिति का तो एक ही मतलब है•••
••• और वह यह•••
••• कि मेरे शरीर को लकवा मार गया है। लेकिन ये हुआ कैसे?
••• दे सकता हूं नागराज!
प्रोफेसर नागमणि, तुम! ओह! कितना मूर्ख था मैं। मुझे मासासोगा, करैत और माम्बा को देखते ही समझ जाना चाहिए था कि उनके मालिक तुम ही हो सकते हो। क्योंकि पूरे विश्व में एकमात्र तुम ही हो जो जहरीले इंसान बना सकते हो!
तुम्हारे सवालों का जवाब मैं अच्छी तरह से•••
ठीक कहा तुमने नागराज! तुम्हें पहले ही समझ जाना चाहिए था, लेकिन अब कुछ नहीं हो सकता। मासासोगा, करैत और ब्लैक मांबा के जहरों ने तुम्हें लकवे की स्थिति में पहुंचा दिया है। और ये एकदम नहीं हुआ। इसके लिए बहुत शोध किया है मैंने। उसी शोध के बल पर मैंने निष्कर्ष निकाला था कि•••

... कि कुछ घंटों के अन्तराल के बाद अगर ये तीनों जहर तुम्हारे जिस्म में प्रवेश कर जाएं तो तुम्हें कुछ समय के लिए लकवा हो सकता है। वैसे ये तीनों जहर एक साथ भी तुम्हारे शरीर में पहुंच सकते थे। लेकिन उससे कुछ नहीं होता। तुम्हारे शरीर का जहर उन तीनों जहरों से क्रिया करके उन्हें बेकार कर देता ...
... अपने उसी शोध में मैंने इस बात का भी पता लगाया है कि इन तीनों जहरों के बाद अगर एक और जहर तुम्हारे जिस्म में प्रवेश कर जाए तो तुम्हारी तत्काल मृत्यु हो सकती है ...
... वह एक और जहर भी तुम्हारे जिस्म में पहुंचेगा नागराज और उसे पहुंचाएगा वह चौथा। कुछ पलों बाद सारी दुनिया जिसके बारे में जान जाएगी!
कौन है वो चौथा?
इंतजार कर नागराज! इंतजार कर। जल्द ही पता चल जाएगा। हा हा हा!
ठहाका लगाते हुए प्रोफेसर नागमणि ने वह छोटा कीड़ा अपनी जेब से निकाला...
... और नागराज के शरीर पर उछाल दिया—
हा हा हा!

जैसे मक्खन में गर्म छुरी घुसती है, ठीक वैसे ही नागराज के शरीर में घुसने लगा वह कीड़ा–

कहीं यही तो नहीं चौथा?

हां! यही है। यह विचित्र कीड़ा जरूर अत्यन्त विषैला है इसका जहर बाकी जहरों से मिलकर मुझे मार डालेगा।

फच्याक

नागमणि के शब्दों के जादू में बंधे नागराज को दिखाई देने लगी अपनी तत्काल मौत–

लकवे की इस स्थिति में मैं अपनी सारी शक्ति संजोकर अपने हाथों को थोड़ा हिला तो सकता हूं। लेकिन किसी भी हाल में कंधे तक नहीं पहुंचा सकता, क्योंकि कंधों और मेरे हाथों में काफी दूरी है। सिर्फ मेरा मुंह ही कंधे के पास है अगर प्रयास करूं तो मैं इसे अपने दांतों से पकड़कर बाहर खींच सकता हूं!

अपनी पूरी शक्ति लगाकर अपने मुंह को कंधे तक ले जाने में जुट गया नागराज–

ढेरों पसीना और पीड़ा नजर आने लगा उसके चेहरे पर–

और ज्यों-ज्यों वह सफलता के निकट पहुंचता जा रहा था त्यों-त्यों प्रोफेसर नागमणि के कंठ से उबलता ठहाका बुलन्द होता जा रहा था–

हाहाहा! कर कोशिश और कोशिश कर नागराज! तू जरूर सफल होगा, लेकिन आज हर हाल में विश्व के सबसे जहरीले मानव की मौत होगी। चौथे का जहर तेरी जान लेकर ही रहेगा नागराज। हाहाहा!

नागराज अपने प्रयास में सफल हुआ तो—
ओह! मैं अपने मुंह को कंधे तक लाने में सफल तो हो गया हूं। लेकिन अब वह कीड़ा तो पूरे का पूरा मेरे मांस में घुस गया। अब तो उसे बाहर निकालने का एक ही उपाय है कि कंधे में जहां वह कीड़ा घुसा है, मैं वहां के मांस को अपने दांतों से खींचकर अलग कर दूं।

मेरे पास अपनी जान बचाने का अब यही एक हल है।
नागराज का मुंह खुला। उसके दांत कंधे के मांस में गड़ने के लिए बढ़े...

...कि तभी—
रुक जाओ नागराज! अपने विषैले दांतों को अपने मांस में मत गड़ाना। नहीं तो तुम अपने ज़हर से ही अपने आपको खत्म कर डालोगे...
?

...क्योंकि नागमणि का सोचा हुआ चौथा और कोई नहीं, तुम खुद हो!
तुम्हारे शरीर में घुसने वाला तो साधारण कीड़ा है जो लकड़ियों में पाया जाता है। और फिर तुम्हारे शरीर के ज़हर का पान करके अब तक तो वह अंदर ही खत्म भी हो गया होगा!
ज़बरदस्त धमाका हुआ नागराज के मस्तिष्क में—
शायद ये सच कह रही है। क्योंकि मेरे दांतों में बसने वाला ज़हर, मेरे शरीर के ज़हर से कहीं अधिक ज़हरीला है!

मैं बहुत देर यह सोचने में लगी थी कि वह चौथा कौन है, जिसका जहर तुम्हें मौत देगा, लेकिन लाख सोचने के बाद भी जब मुझे कोई चौथा नजर नहीं आया...
... तब मेरे दिमाग में कौंधे इसी के कहे शब्द कि 'आज विश्व के सबसे जहरीले इंसान की मौत होगी'!
तूने ठीक सोचा लेकिन तूने मेरा सारा खेल बिगाड़ दिया है...
... इसीलिए नागराज से पहले अब मैं तेरी लाश देखना पसन्द करूंगा!
और मैं तुझे लाश में बदलूंगा जहर बुझी आलपिनें छोड़ने वाली इस विशेष गन से!
चिट चिट चिट चिट
बेहद तेजी से नागमणि ने अपना वार किया था...
... लेकिन वह 'तेजी' इस 'तेजी' के सामने कुछ भी ना थी—
तड़ाक
इंसानों को लाशों में बदलने वाली मौत मेरे पास फटकने से घबराती है, प्रोफेसर नागमणि!
आहह! कौन हो तुम?

अपने बारे में अगर मैंने तुम्हें बता दिया तो तू ही नहीं, बहुत से गश खाकर गिर पड़ेंगे!
तड़
...उछले का उछला ही रह गया—
आऊऊ
भड़
नागराज ने किया था यह वार—
कई फुट ऊपर उछला नागमणि का शरीर...
तेरी सोच से पहले ही लकवे की स्थिति से बाहर आ गया हूं मैं!
धड़ाक
आहहह!
फिर तो नागराज के प्रचण्ड प्रहारों ने कुछ ही पलों में प्रोफेसर नागमणि के हर कस-बल को ढीला कर दिया—
धमम
भड़ाम
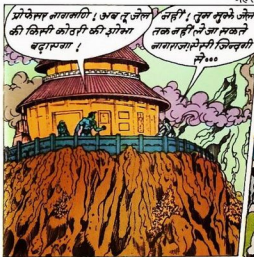
प्रोफेसर नागमणि! अब तू जेल की किसी कोठरी की शोभा बढ़ाएगा!
नहीं! तुम मुझे जेल तक नहीं ले जा सकते नागराज! ऐसी जिन्दगी से...
...मैं मौत को गले लगाना ज्यादा अच्छा समझूंगा!
ओह! नहीं!
हजारों फुट गहरी खाई में गिरता चला गया प्रोफेसर नागमणि—
ऐसी ही भयानक मौत के हकदार होते हैं मानवता को अपने कदमों के नीचे कुचलने के सपने देखने वाले!
अपनी मददगार को धन्यवाद देने के लिए जो नागराज पीछे पलटा तो—
अरे! एकाएक वह कहां गायब हो गई? अभी-अभी तो यहीं खड़ी थी!
कमाल है मुझे धन्यवाद का मौका दिए बगैर ही निकल गई!

मेरे सपनों के मंदिर तक पहुंचने का यह रास्ता भी बंद हुआ। अब किसी और रास्ते की तलाश करनी होगी!
अपनी 'मुश्किल' का कोई दूसरा हल ढूंढने चल पड़ा नागराज—
••• अगर एक पल के लिए नीचे झांक लेता, तो उसे कोई दूसरा ही दृश्य नजर आता—
जबकि नागपाशा को अपनी मुश्किल का कोई दूसरा हल नजर ही नहीं आ रहा था—
कहता था वह नागराज का जन्मदाता है, इसलिए उसे सिर्फ और सिर्फ वही मार सकता है। नागराज के चक्कर में खुद मारा गया कमबख्त!
प्रोफेसर नागमणि को जी भर कर कोसने के बाद•••
••• झुंझलाए नागपाशा ने अपनी सारी झुंझलाहट लक-व्हील पर उतार दी—
अब देखें नागराज को मारने या उसके हाथों मरने किसका नंबर आता है?
तेजी से घूमता लक-व्हील और विपरीत दिशा में घूमती उसकी सुई•••
••• काफी देर बाद जब रुके तो—

कुछ देर बाद—

यहां से पैदल का रास्ता है, क्योंकि बर्फ की इस सड़क पर जीप नहीं दौड़ सकती!

और इस पैदल ऊपर चढ़ने की एक्सरसाइज ने मेरे बदन में इतनी गर्मी भर दी है के अब मुझे इस गर्म कोट की भी जरूरत नहीं है!

आगे बढ़ता नागराज अचानक ठिठका—

ओह! मेरे पीछे से ये आवाज कैसी?

किसी खतरे का आभास पाते ही...

••• नागराज ने छलांग लगाई–
ओह! बचने में एक पल भी गंवाया होता तो वह बर्फ का गोल लौंदा मेरे लिए घातक सिद्ध हो••• लेकिन ये लौंदा आया कहां से? बर्फीले क्षेत्र में ऐसे लौंदे तो अक्सर तब गिरते हैं, जब बर्फीले तूफान आए हुए हों। इसे मुझ पर जरूर किसी ने•••
धम्म
तेरी जान! जिस पर मास्टर चूं-चूं का अधिकार है!
धड़
••• फेंका है! उन्होंने••• लेकिन वे मुझसे चाहते क्या हैं?
कौन हो तुम लोग? क्या चाहते हो मुझसे?
पलभर में घिर गया नागराज-
नागराज! तेरी कहानी खत्म हुई
अपनी-अपनी कला
माहिर हम चारों तेरे
को टुकड़ों में बांटने में
समय

अटैक!
असाधारण फुर्ती का परिचय देते हुए बचा नागराज —
बहुत दिनों से मैं भी मार्शल आर्ट को भूल ही गया था...
...आज दुबारा प्रैक्टिस करने का यह जो मौका मिला है, मैं उसे हाथ से नहीं...
...जाने दूंगा!
ठाड़
नागराज के प्रतिद्वंद्वी दोनों निंजा अच्छे फाइटर जरूर थे...
...लेकिन वे नागराज कहां थे —
भाड़!
और नागराज तो बस नागराज ही था —

उन दोनों नेजाओं को चित करके अभी नागराज संभला भी ना था कि –
रेजर से तू नहीं बच सकता नागराज!
ओह!
सांय...
उछल! और उछल नागराज...
सांय...
...और ऐसे ही उछलता रह!
खटाक
हां, उछलता रहूंगा!
...लेकिन उछलने...
...के साथ...
...वार भी करूं...
...तो कैसा...
...रहेगा...
तड़
भड़
खटाक
धड़
धप

ताड़-
बोल?
धम्म्म्म्म
नहीं बोलता तो कई घण्टों के लिए चुप हो जा!
नागराज के इस वार को खाकर जो गिरा रेजर...
...तो फिर ना उठ पाया—
अब बारी तेरी! आ, तू भी आ!
तेरे शरीर के टुकड़े हथियार से नहीं, हाथों से करूंगा!
हाSSS
ओह! मंकी स्टाइल फाइटर!
amaan.cooldude18

इससे बचाव के लिए तो 'ईगल-स्टाइल' अपनाना होगा...
कड़ाक
... और वार करने के लिए अपनाना होगा स्नेक स्टाइल!
ताड़
स्नेक स्टाइल का अगला वार उस फाइटर पर बहुत भारी पड़ा—
आ ह!
तड़ाक
बुरी तरह से चीख उठा वह—
नागराज द्वारा किया गया यह वार उस फाइटर के होश फाख्ता करने के लिए काफी था...
ताड़ड़ड़
... वहीं भाबापाश क्रोध से भभक उठा—
नहीं! नागराज जिस तरह हर मौत को मात देता जा रहा है, उस तरह उसे कोई नहीं मार सकता!

...कोई नहीं मार सकता!

झटके से अपनी चेयर से उठकर नागापाशा तेज कदमों से एक तरफ बढ़ गया–

ज्यों-ज्यों आगे बढ़ता चला गया नागपाशा, त्यों-त्यों उसकी राह में खड़ी अड़चनें उसका रास्ता छोड़ती चली गईं–

कुछ ही देर बाद–

क्या हुआ स्वामी, आज आप काफी दिनों बाद मेरे पास आए हैं... और आप मेरे पास तभी आते हैं जब आपको किसी समस्या ने अत्यधिक परेशान कर रखा हो?
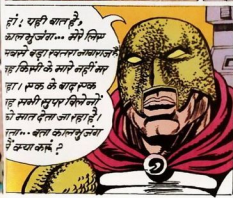
मैंने अपने तांत्रिक यंत्र से, पूरी दुनिया में यहां के 'नाग-मंदिर' के सपने प्रेषित किए! ताकि मुझे जिस व्यक्ति की तलाश है, वह उन सपनों को देख कर अपनी पुरानी यादों को फिर से याद करे, और यहां पर वापस आ जाए...

अचानक कालभुजंग के शब्दों में हैरानी का पुट भरता चला गया—
स्वामी! कहीं ऐसा तो नहीं कि नागराज ही वह शख्स हो, जिसकी आपको तलाश है!
...मुझे खतरा सिर्फ नागराज की तरफ से था कि कहीं वह मेरी योजना में अड़ंगा न डाले। क्योंकि इस दुनिया में सिर्फ एक ही मानव है, जिसके पास अद्भुत शक्तियां हैं। इसी लिए मैंने इन सुपर विलेनों की मदद से उसको पहले ही खत्म कर देने की योजना बनाई। पर अब तक कोई भी विलेन सफल नहीं हो पाया!

नहीं! एक बार के लिए मैं तुम्हारी बात मान भी लेता अगर नागराज की उम्र पचहत्तर साल की होती। मेरी तलाश की उम्र पचहत्तर साल होगी कालभुजंग...
...इसलिए नागराज वह नहीं हो सकता। नागराज तो मेरा सबसे बड़ा दुश्मन है जिसके जिन्दा रहते मैं कभी भी अपने उद्देश्य में सफल नहीं हो सकता। और मुझे लगता है नागराज मरेगा नहीं!
ऐसा मत सोचिए स्वामी! नागराज हर हाल में मरेगा। जाकर अपने मोहरों का खेल देखिए, अगर वे नागराज का कुछ ना बिगाड़ पाए तो मैं...
...हां, तब मैं उसे मारने मैदान में आऊंगा!
ठीक है! मैं जाता हूं।
उस रहस्यमयी स्थान से हटकर...

...मुख्य हॉल में पहुंचे नागपाशा ने औरों के साथ अपनी नजर भी उस विचित्र ग्लोब पर गड़ा दी...
...जिसमें दिखाई दे रहा था नागराज—

...और उस लामा के साथ चूं-चूं—
यह निन्जा लामा है नागराज! योग के द्वारा इसने सैकड़ों अद्भुत शक्तियां प्राप्त कर रखी हैं। ये मेरे यानी मास्टर चूं-चूं के कहने पर तुम्हें मौत देने आया है नागराज...
...और निन्जा लामा जिसे मौत देने की सोच ले उसे देवता भी नहीं बचा सकते!
ओह! तो यह है चूं-चूं!
अचानक सोचते हुए नागराज को...
...लगा तेज झटका—
कमाल है...
...उसके हाथ में थमा डण्डा। एकदम चमत्कारिक तरीके से आग उगल रहा है...
सर्र्र..
...उस डण्डे को लामा के हाथ से छुड़ाना होगा!
नागराज
ने उठा लिया वह बर्फ का कगार टुकड़ा...
...और पूरी शक्ति से लामा की तरफ उछाल दिया—
और तब नागराज को देखने को मिला वह हैरतअंगेज दृश्य—
झोंके के समान अपने स्थान से हवा में लहराकर लामा...

... दूसरी जगह जा खड़ा हुआ था और—
उफ़! ऐसी बला की फुर्ती, ठीक ऐसी जैसे जैकी चेन की फिल्म के दृश्य तेजी से मेरी आंखों के सामने से गुजर गए हों।
ये तो मेरी जान लेकर ही छोड़ेगा, क्योंकि अपने डण्डे से हमला करता वह लामा मुझे अपने पास ही नहीं पहुंचने दे रहा है!
और एक बार फिर उस चमत्कारिक डण्डे का हमला!
लेकिन जहां मैं नहीं पहुंच सकता, वहां मेरे नागसैनिक तो आराम से पहुंच सकते हैं ना!
अब बारी थी नागराज की—
ओह!
सर्पसैनिकों ने अपना काम बखूबी अंजाम दिया था—
वह वार करने के लिए उछला—

...लेकिन वार लामा पर नहीं, कहीं और हुआ–
धड़ाक
ओह! ये अचानक क्या हो गया! मैं तो लामा का सही निशाना लेकर उछला था, फिर इस बर्फ के लौंदे से कैसे टकरा गया? और मेरा सिर भारी-भारी सा क्यों लग रहा है?
नागराज संभलकर दौड़ा–
अरे! ये क्या? मेरा वार फिर चूक गया?
सांय
मेरे वार इसके दाएं-बाएं से क्यों निकलते जा रहे हैं? अरे हहह?
ठड़ाक
फिर जो हुआ, नागराज को उसकी सपने में भी उम्मीद न थी–
ताड़

ता ड़,
उफ़! चमत्कारिक शक्तियों के साथ-साथ यह लामा मार्शल आर्ट का भी जबरदस्त ज्ञाता है। ओह! ये क्या?
मैं तो उस नुकीली चट्टान की तरफ जा रहा हूं, जिस पर गिरकर मैं शर्तिया मौत के मुंह में पहुंचूंगा। मुझे अपने-आपको उससे बचाना होगा...
...और उसके लिए अपनी पूरी शक्ति लगाकर एक कलाबाजी खाने भर की देर है!
ऐन समय पर नागराज ने अपने शरीर को जुंबिश दी...
...और अपने-आपको मौत से बचा लिया—
उफ़! अच्छा हुआ मैं इस नुकीली चट्टान के ऊपर की बजाए पीछे आकर गिरा...
...लेकिन
यह क्या? इस बर्फ से ढकी चट्टान के पीछे आने से मेरे सिर का भारीपन दूर हो गया है। मैं स्वयं को एकदम हल्का और किसी को भी परास्त कर देने की हिम्मत रखने वाला महसूस कर रहा हूं।

लेकिन जैसे ही लामा सामने आया–
ओह! फिर वही भारीपन। इसका एक ही मतलब है कि लामा के पास कोई चीज है जो शायद मेरे मस्तिष्क को काबू करती जा रही है। उन्हीं तरंगों की वजह से मैं शायद लामा पर सटीक वार नहीं कर पा रहा हूं।
जल्द ही–
टोप! मुझे उसे लामा के सिर के ऊपर से उतारना! ओह!
कड़ड़
कुछ कर पाने से पहले...
... नागराज मोटी बर्फ के नीचे मौजूद ठण्डे पानी की झील में था–
हा हा हा... नागराज! यह ठण्डे पानी की झील तेरे लिए मौत की झील बनेगी!
ओह!
ना... ना... निकलने की कोशिश मत कर। मेरी मानसिक शक्तियों से लैस मेरे सिर पर लगा यह चमत्कारी टोप तुझे नहीं निकलने देगा!

ठण्डे पानी की झील में नागराज की सांसें जल्द ही जवाब दे गईं—
उफ़! मेरी सांसें उखड़ती जा रही हैं। मुझे ऑक्सीजन की सख्त जरूरत है, लेकिन अपने चमत्कारिक टोप के बल पर लामा निकलने नहीं दे रहा।... अब क्या करूं ?
कुछ ना कर सका नागराज...
... कुछ पलों में ही निश्चल पड़ गया—
हा हा हा... ठण्डे पानी की झील में डूबकर मर गया नागराज। हा हा हा!
अचानक—
माफ करना लामा जी... मैं, मरा नहीं हूं बल्कि मैंने मरने का नाटक किया था ताकि कुछ पलों के लिए आपका ध्यान मुझ पर से हट जाए...
ता ड़.
... और मैं अपनी सर्पशक्तियों के बल पर आपके सिर पर रखे इस टोप को आपसे अलग कर सकूं जो मुझे आप पर वार करने ही नहीं दे रहा है।
और अब चूंकि आपके सिर पर टोप ना होने की वजह से मैं आप पर वार कर सकता हूं तो मैं आपको संभलने का मौका नहीं दूंगा!
फ़ूऊ

...क्योंकि आपके कारनामें देखकर मैं जान चुका हूं कि आपको कोई भी मौका देना मौत को दावत देने के समान है!
फूऊऊऊ
आ हँह!
विष के तूफान ने लामा को ज्यादा देर खड़ा रहने नहीं दिया—
उफ्! बड़ा जीवट वाला आदमी था। जहां आम इंसान कुछ पल भी मेरी विष फुंफकार के आगे नहीं ठहर सकता वहां ये कुछ मिनटों तक जीवित रहा।
...जो नागराज चूं-चूं की तरफ पलटा तो—
चूं-चूं अब मैं तेरा चूं चूं का मुरब्बा... अरे, कहां भाग चले?
तेरी शक्ति मैंने बहुत ही कम आंकी थी नागराज, इसलिए संयोग से अभी हार मानकर जा रहा हूं। जल्द ही पूरी तैयारी के साथ वापस लौटूंगा और मुझे उम्मीद है उस समय तुम मुझसे बच नहीं पाओगे!
जिन्जा लामा की लाश पर एक नजर डालकर...
काश! मैं उसे पकड़कर इस सारे रहस्य के बारे में जान पाता!
ये तो तुम अब भी जान सकते हो ...मुझसे! नागराज...
उस आवाज ने नागराज को बुरी तरह चौंकाया—
पलटा तो उसे दिखाई दी—
नागतंत्रिका नगीना!
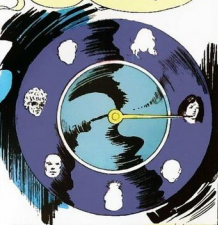
नागतंत्रिका नगीना!
इस बार लक व्हील ने नगीना को चुना है!
ओह! मुझे तो लगा रहा था कि इस बार मेरी ही बारी आएगी! लेकिन किस्मत ने इस बार भी मेरा साथ दिया...
...वर्ना मुझे अपनी बारी को दूसरे पर सरकाना पड़ता!
मुझे पूरा विश्वास है कि नगीना हमें निराश नहीं करेगी। नगीना के करकमलों से हमें नागराज की लाश देखने को मिलेगी।
नगीना तुम्हारी हर इच्छा पूरी करेगी नागपाशा!
तुम्हारी तरसती आंखों को नागराज की लाश देखने को अवश्य मिलेगी। हा हा हा!
जबकि इधर नागराज मुंह बाए सामने खड़ी नगीना को देख रहा था–
सभी हैरानी से आंखें फाड़े ठहाका लगाती नगीना को गायब होते वहां देखते रहे–
अपनी फटी फटी आंखों को सामान्य करो नागराज, ये शत प्रतिशत नागतंत्रिका को ही देख रही हैं।
वैसे तुम्हारी आंखों का फटना भी वाजिब है क्योंकि इन आंखों ने डायनासोरसों की भीड़ की भीड़ को मेरे सिर को कुचलते हुए गुजरते देखा था!

... लेकिन वह सब तुम्हारी आंखों का धोखा था नागराज। डायनासोरसों के पांवों के नीचे जो सिर कुचल गया था वह मेरा नहीं मेरे प्रतिरूप का था —
मैं तो अपनी तंत्रशक्ति के बल पर जमीन के अंदर ही अंदर सुरंग बनाती वहां से सुरक्षित निकल गई थी —
वहां से निकल जाने के बाद मैं एक अज्ञात स्थान पर अपनी तंत्रशक्तियों को बढ़ाने के लिए साधना में जुट गई। उसी साधना के बीच मुझे ज्ञान हुआ कि आजतक जो मैंने किया वह पाप था, अन्याय था ...
... मेरी आत्मा ने मुझे धिक्कारा कि मुझे मानवता के नाश के विषय में नहीं, बल्कि तुम्हारी तरह उनके कल्याण की सोचनी चाहिए। मुझे अपने किए का पश्चाताप होने लगा नागराज और मैं उसका प्रायश्चित करने निकल पड़ी... मैंने सबसे ज्यादा तुम्हारा ही बुरा किया था इस लिए मैंने सबसे पहले तुम्हारा ही भला करने की ठानी...
... और उसी के तहत जब तुम जादूगर शाकूरा के मृत्यु जाल में फंसे हुए थे तब अपने तंत्र शक्ति से बने चक्र भेजकर...
... और जिस समय प्रोफेसर नागमणि तुम्हें धोखे से मौत देने जा रहा था, उस समय एक साधारण युवती के रूप में स्वयं पहुंचकर ...
?
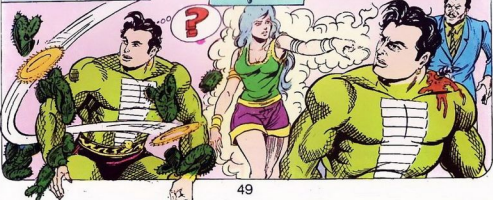
... मैंने तुम्हारी जान बचाई। अपने सुधरने का इससे अच्छा सबूत मैं भला और क्या दे सकती हूं।
ओह, तो मेरी वह रहस्यमयी मददगार तुम थीं। लेकिन तुम्हें शाकूरा और प्रोफेसर नागमणि के हमले का कैसे पता चला?
तुम्हारे इस प्रश्न के जवाब में मैं तुम्हारे ऊपर हो रहे हमलों की पूरी कहानी शुरू से लेकर अन्त तक सुनाती हूं। तभी तुम कुछ समझ पाओगे।
फिर नागराज को सब कुछ बताती चली गई नगीना—
सब कुछ सुनकर—
तुम्हारी बातों में दम है नगीना, लेकिन यह समझ में नहीं आया कि जब तुम सभी के सामने नागपाशा के अड्डे पर मौजूद थीं तो फिर मेरी मदद करने कैसे पहुंच गईं?
दरअसल कुछ देर को छोड़कर मैं नागपाशा के अड्डे पर एक पल भी नहीं रही। मैं तो अदृश्य रूप से तुम्हारी रक्षा के लिए हर-दम तुम्हारे साथ थी। वहां तो मेरा प्रतिरूप था जो मेरा नंबर आते ही सभी की आंखों से ओझल हो गया!
ओह! तुमने वहां भी अपना जाल फैला दिया!
हां, और ये सब मैंने तुम्हारे लिए किया नागराज...
... सिर्फ तुम्हारे लिए।
मुझे खुशी है कि नगीना तुम सुधर गईं। लेकिन तुम्हारी इस बात को मैं उस समय पक्की मानूंगा जब तुम मुझे नागपाशा के अड्डे प. ले जाओगी। जहां मैं उसे अपने कब्जे में कर उससे पूछूंगा कि मुझे मरवाने के पीछे उसका उद्देश्य क्या है!
ठीक है नागराज! तुम मेरे साथ वहां चल सकते हो, लेकिन क्या मैं तुमसे यह पूछ सकती हूं कि तुम देशभर के मंदिरों की खाक क्यों छानते फिर रहे हो?
नागराज ने, नगीना को अपने सपनों के मंदिर के विषय में बता दिया—

सारी बात जानकर मुस्करा कर बोली नगीना–
पहले नागपाशा के अड्डे पर चलते हैं नागराज!
उससे निबटकर मैं अपनी तंत्रशक्तियों से तुम्हारे सपनों के मंदिर की तलाश में तुम्हारी मदद करूंगी।
आओ। मेरा हाथ पकड़ो। मैं अपनी तंत्रशक्ति से तुम्हें अपने साथ उड़ाकर वहां ले चलूंगी।
नागराज ने थाम लिया नगीना का आगे बढ़ा हाथ–
फिर–
नागराज! डर तो नहीं लग रहा?
नहीं। जब तुमने मेरा हाथ पकड़ रखा है तो डर कैसा?
यानी अगर मैं तुम्हारा हाथ छोड़ दूं तो डर लगेगा?
अरे-अरे! ये तुम क्या कर रही हो नगीना! तुमने मेरा हाथ क्यों छोड़ दिया?
जवाब में नागराज को सुनाई दिया नगीना का जोरदार अट्टहास–
हाहाहा!
ओह! धोखा! उफ्!

खुद को बचाऊं, वरना इतनी ऊंचाई से गिरकर मेरा शरीर खील-खील होकर बिखर जाएगा
नागों के मोटे गद्दे पर गिरा नागराज-
उफ़! नागों के इस ढेर की जगह अगर मैं कठोर जमीन से टकराया होता तो... अरे...
... उफ़! ये क्या है मेरे चारों तरफ़?
भयंकर, खतरनाक, हिंसक जानवर, जो दर्शाते हैं कि ये है... नगीना का जाल!

और इस बार चूंकि यह सारा जाल बहुत ही मजबूती से बुना गया है इसलिए...
खटप
...इनसे बचने के लिए मुझे अपना सारा दमखम लगाना होगा!
किरणें फेंकने वाले की गर्दन से जोंक की भांति लिपट गया नागराज –
और अपनी संपूर्ण शारीरिक शक्ति का प्रदर्शन करते हुए मोड़ दी उसकी गर्दन –
इसके मुंह से उगलती किरणें जब मेरे लिए घातक हो सकती हैं तो इसके साथी को कहां छोड़ेंगी!
कड़क

हूप
तेरे साथी का इंतजाम हुआ प्यारे, अब तेरी बारी है। और तुझसे निबटने के लिए मुझे अपनी नागशक्तियों से तेरा मुंह बांधने भर का काम करना होगा...
...बाकी काम तो हलक से उगलती वे किरणें अपने-आप कर देंगी जो तेरा मुंह बंद हो जाने की वजह से तेरे पेट में ही दफन होकर रह गई हैं।
फच्यक
तेरे पेट में दफन हुई तेरी घातक किरणों से मुझे यही अपेक्षा...
ताड़
...धीईईई... उफ! इसे तो मैं भूल ही गया था!
एक की टक्कर ने नागराज को दूर उछाला...
...तो दूसरा मुंह फाड़े उसकी तरफ बढ़ा—
ओह! तो आप मुझे खाना चाहते हो...
ईंग्या!
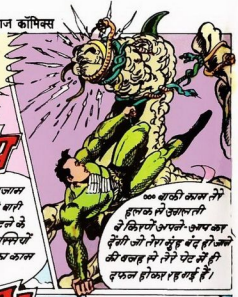
... लेकिन पहले जरा इस पत्थर का स्वाद चखकर तो बताओ कैसा है?
कड़ड़ाक
कठोर पत्थर से टकराकर उसके सभी दांत शहीद हो गए—
अरे– बिना दांतों वाले मुंह से कुछ खाया नहीं जाता, बल्कि पिया जाता है... तुम भी पियो इन नागों का जहर।
हिस्स हिस्स
हिस्स
उस प्राणी का बगैर दांतों का मुंह नागराज ने सांपों से भर दिया—
जिनके कंठों से उगला जहर जैसे ही उस खतरनाक प्राणी के पेट में पहुंचा वैसे ही—
पछाड़ खाकर गिरा वह... फिर कभी ना उठने के लिए—
लेकिन नागराज की मुसीबत अभी कहां खत्म हुई थी—
उफ़! अभी ये टक्कर मारने वाला तो बाकी है!
धाड़
धम्मम
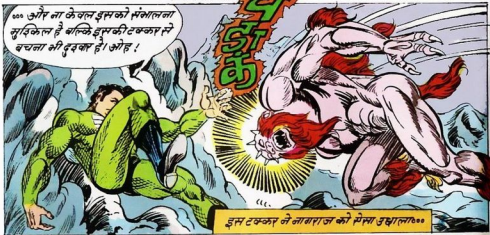
...और ना केवल इसको संभालना मुश्किल है बल्कि इसकी टक्कर से बचना भी दुश्वार है। ओह!
धड़ाक
इस टक्कर ने नागराज को ऐसा उछाला...
...कि नागराज सिर के बल उस चट्टान से जा टकराया—
ठड़ाक
और अभी वह संभल भी ना पाया था...
...कि- उफ़! वह बेहद तेजी से मुझसे टकराने आ रहा है। और मेरे पास बचने का समय भी नहीं है। इस दशा में इसे रोकने के लिए नागरस्सी...
फट टाटाक
...ओह! ये किरणें कहां से आईं, जिसने उसे मुझ तक पहुंचने से पहले ही खत्म कर दिया?
बेहद हैरान था नागराज—

जबकि यहां मौजूद प्रत्येक शख्स के चेहरे पर मौजूद हैरानी के सागर में जबरदस्त सैलाब आया हुआ था—
मरना था... नागराज को, अब तो हर हाल में मरना था। लेकिन ऐन वक्त पर नगीना ने अपनी घातक किरणें छोड़कर उसे बचा लिया!
लेकिन जब नगीना नागराज को मारने ही निकली है और उसी ने नागराज को मौत के जाल में फंसाकर मारने का इंतजाम किया तो... क्यों? उसने नागराज को क्यों बचाया?
फेसलेस, गहन सोच-विचार में डूबा था—
नगीना का यह कदम मेरी समझ में नहीं आया! लेकिन इतना तो स्पष्ट है कि वह फिलहाल नागराज को जिन्दा रखना चाहती है!
अचंभित खड़े नागराज के पास पहुंची नगीना—
तुमने ही मुझे फंसाया, और तुमने ही मुझे बचाया। आखिर ये सब क्या है नगीना?
आखिर ये सब क्या है? नागराज को मौत के मुंह में फंसाकर और फिर उसे मौत से बचाकर नगीना आखिर चाहती क्या है?
ध्यान से देखिए नागपाशाजी, नगीना नागराज के पास पहुंच रही है। शायद वह कोई रहस्य खोले।
इसे परीक्षा कह सकते हो नागराज, अपने तिलिस्म जाल में तुम्हें फंसाकर मैं तुम्हारी परीक्षा ले रही थी। अगर ऐसा ना होता तो मैं उस प्राणी से ना बचाती!

लेकिन ये परीक्षा क्यों?
इसलिए कि अपने सपनों के जिस मंदिर का रहस्य तुम जानने निकले हो उन्हें जानने के प्रयास में तुम्हें ऐसे सैकड़ों संकटों का सामना करना पड़ सकता है।
तुम तो ये बात ऐसे कह रही हो नगीना, जैसे तुम मेरे सपनों के मंदिर के बारे में सब कुछ जानती हो!
हां, नागराज! मैं उस मंदिर के बारे में जानती हूं। आओ, अपनी तंत्र शक्ति से तुम्हें वहां ले चलूं।
देखो! गौर से देखो नागराज! यही है ना तुम्हारे सपनों का मंदिर। और साथ ही यही मंदिर है...
...नागपाशा का मुख्य अड्डा!
क्रमशः
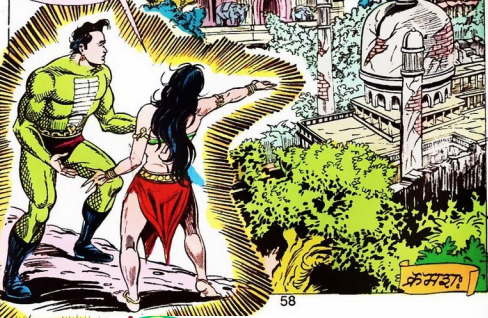
A.H.W. TIGER SERIES
नागपाश
जितनी चाहे, उतनी कोशिश कर ले, नागराज; तू जितनी बार मेरा सिर काटेगा, उतनी बार मेरा सिर फिर से उग आएगा...
नहीं मर सकता मैं! क्योंकि अमर है...
... खुल रहे हैं कई रहस्यों के पर्दे...
by अनुपम
... नागराज के एक और दिल दहला देने वाले कॉमिक विशेषांक 'नागपाश' का इंतजार करिए...
amaan.cooldude18